

सम्प्रेषण केवल बोलना ही नहीं होता (Communication is not just speech)

सभी कुछ न कुछ कहना चाहते हैं। सफल बात-चीत दो तरफ़ा गतिविधि है। कुछ लोगों को बात समझने व अपनी बात बताने में मदद की आवश्यकता हो सकती है।

केवल बोलना ही क्यों काफी नहीं?

- बोलना, ज़्यादातर हम जो सुनते और समझते हैं उसपर निर्भर करता है
- कुछ लोग यदि देखें और साथ ही सुने भी तो उनके लिए समझना अधिक आसान हो जाता है



सम्प्रेषण (बात-चीत/वार्तालाप) के कौनसे अन्य तरीके हैं?

- संकेत तथा शरीर के हाव-भाव
- इशारे करना
- चित्र, फ़ोटो व वास्तविक वस्तुएँ
- कमप्यूटर
- इलेक्ट्रॉनिक संप्रेषण

बोलने के साथ साथ अन्य तरीकों का उपयोग करने के क्या फ़ायदे हैं?

- बात-चीत अधिक स्पष्ट हो जाती है
- आपके वाक्य छोटे व सरल रहते हैं
- आवाज़ सुनाई देने से अधिक देर तक दिखाई देता है
- बोलने व भाषा के विकास को प्रोत्साहित करता है
- इस तरह बात-चीत करने से निष्फलता कम होती है
- हर व्यक्ति के लिए निजी रूप से बनाई जा सकती है

अपने वाक् रोग विज्ञानी (speech pathologist) से आज ही बात-चीत करने के विभिन्न तरीकों के विषय में पूछें।